भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं ? भाववाचक संज्ञा की परिभाषा लिखें

(क) शंकर सदा सच बोलता था।

(ख) वह बचपन से मेहनत करता था।

(ग) ईमानदारी सुख की खान है।

(घ) शंकर आनन्द से रहने लगा।

ऊपर के वाक्यों में 'सच' , 'मेहनत' , 'ईमानदारी' गुण के नाम हैं। 'बचपन' एक अवस्था का नाम है। 'सुख' एक दशा का नाम है तथा 'आनन्द' एक भाव का नाम है। यहाँ 'सच', 'मेहनत', 'ईमानदारी','बचपन', 'सुख' तथा 'आनन्द' ये किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम नहीं हैं, अपितु उनके गुण अवस्था, दशा तथा भाव को प्रकट कर रहे हैं। इन वाक्यों में आए सच, मेहनत, ईमानदारी, बचपन, सुख, आनन्द सभी शब्द भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

अतः जो संज्ञा शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण, अवस्था, दशा, भाव आदि के नाम को प्रकट करें, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

विशेष :- भाववाचक संज्ञा की सबसे बड़ी पहचान यह है कि उसका चित्र नहीं बन सकता, जैसे बच्चे (जातिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है, 'बचपन' (भाववाचक संज्ञा) का नहीं। इसी प्रकार शंकर (व्यक्तिवाचक संज्ञा) का चित्र बन सकता है, उसकी 'ईमानदारी' (भाववाचक संज्ञा) का नहीं। भाववाचक संज्ञा को हम न तो देख सकते हैं और न ही छू सकते हैं।

निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञाएँ छाँटिये :-

(क) गर्मी का मौसम था ।

(ख) शंकर गाँव वालों की मदद किया करता था।

(ग) गाँव वाले उसे बहुत प्यार करते थे।

(घ) वह मेहनत करके ही धन कमाना चाहता था।

(ड़) वह झूठ कभी नहीं बोलता था।

(च) वह भीख माँगना बुराई समझता था।

मूल शब्द		भाववाचक संज्ञा शब्द
1. बच्चा	-	बचपन
2. मीठा	-	मिठास
3. सफल	-	सफलता
4. मनुष्य	-	मनुष्यता
5. वीर	-	वीरता
6. मित्र	-	मित्रता
7. बूढ़ा	-	बुढ़ापा
8. सुन्दर	-	सुन्दरता
9. चतुर	-	चतुराई
10. हरा	-	हरियाली

मूल शब्द		भाववाचक संज्ञा शब्द
11. महँगा	-	महँगाई
12. पाप	-	पापी
13. भला	-	भलाई
14. अमीर	-	अमीरी
15. पढ़ना	-	पढ़ाई
16. अच्छा	-	अच्छाई
17. ऊँचा	-	ऊँचाई
18. ईमानदार	-	ईमानदारी
19. बुरा	-	बुराई
20. सच्चा	-	सच्चाई

प्रस्तुति :
वीरपाल शर्मा,
हिंदी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाह्मणिआँ

शिक्षा विभाग , पंजाब

मार्गदर्शक :
डॉ: सुनील बहल,
सहायक निदेशक (एस.सी.ई.आर.टी.पंजाब)

प्रस्तुति:
वीरपाल शर्मा,
हिंदी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाहूमणिआँ
जालंधर ।

संशोधक:
पंकज माहर,
हिंदी अध्यापिका,
स.मॉ.सी.से.स्कूल,
लाडोवाली रोड,
जालंधर ।

संयोजक:
राजन,
हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
लोहारका कलाँ,
अमृतसर ।